इस मास में विशेष: साधना दीक्षा

हरतालिका कामेश्वरी साधना

18 सितम्बर, हरतालिका तीज

भगवान वराह विघ्नों का विनाश करने वाले देव है और कामेश्वरी महालक्ष्मी भौतिक जगत में अर्थ और काम को प्रदान करने वाली देवी है, इस दिवस पर यह साधना सम्पन्न की जाये तो निश्चित रूप से व्यक्ति अपने जीवन के विघ्नों का विनाश कर पूर्ण पौरूषता, आरोग्य, सम्मान प्राप्त कर सकता है।

ऋषित्व साधना

20 सितम्बर, ऋषि पंचमी

यह साधना पूर्ण ऋषित्व प्राप्ति की साधना है, क्योंकि ऋषि का अर्थ ही उस व्यक्तित्व से है, जिसने समस्त प्रकार के अनुभवों को अपने अंदर पचाया हो, सब प्रकार से श्रेष्ठमय स्वरूप में (योगी एवं भोगी) अपने जीवन को गतिशील किया हो... साधक ऋषियों के उस अवर्णनीय ब्रह्मत्व से आपूरित हो जाता है और वह हर प्रकार से श्रेष्ठ बन पाता है... पूरी तरह से किसी व्यक्ति का आमूलचूल परिवर्तन इसी साधना से सम्भव है।

पूर्व जन्म दोष शमन साधना

25 सितम्बर, परिवर्तिनी एकादशी

वर्तमान में जब व्यक्ति सुकर्म करने के उपरान्त भी अनेक प्रकार के कष्ट और दुःख आदि भोगता है, तब उसका विश्वास ईश्वर के प्रति और गुरू के प्रति हिलने लगता है। इसके विपरीत दूसरी ओर छल, कपट करने वाला व्यक्ति आनन्द और मस्ती के साथ जीवन व्यतीत करता है। इन सबका का कारण पूर्व जन्मों में ही छिपा होता है। इस साधना द्वारा न केवल पिछले कई जन्मों के कर्म साधक देखने में सफल होता है, अपितु उन कर्म दोषों का शमन भी इसी साधना द्वारा संयुक्त रूप से हो जाता है। इस साधना के बाद ही साधक को सिद्धि सम्भव हो पाती है।

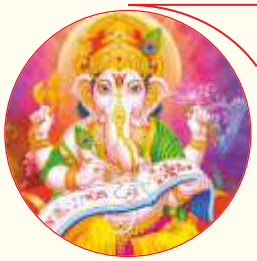

गणपति सिद्धि मनोवांछित व्यवसाय प्राप्ति प्रयोग

02 अक्टूबर, विघ्नराज गणपति चतुर्थी

बेरोजगारी की समस्या आजकल इतनी अधिक बढ़ गई है, कि जिससे पूरा युवावर्ग ही ग्रस्त है। वर्षों के सघन अध्ययन के बावजूद जब प्रयास करने पर भी प्रतियोगी परीक्षाओं में एवं साक्षात्कार परीक्षाओं में सफलता नहीं मिलती तो जीवन में कुण्ठा आ जाती है। भगवान गणपति विघ्न विनाशक हैं, किसी भी कार्य की असफलता के कई कारण होते हैं, ऐसे सभी विघ्नों का नाश भगवान गणपति की इस साधना द्वारा सम्भव होता है, और शीघ्र ही मनोवांछित व्यवसाय, नौकरी की प्राप्ति होती है।

साधना एक साधक के जीवन का अभिन्न अंग है, जो साधक समय-समय पर स्वयं व सामूहिक रूप से साधना सम्पन्न करते हैं, वे सदैव सद्गुरूदेव के हृदय में एक विशिष्ट स्थान प्राप्त करते हैं। ये विशिष्ट साधनायें सम्पन्न करने के लिए कैलाश सिद्धाश्रम में सम्पर्क करें।